ईसांनी दुःख के शुरुआत

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

उत्पति ३ - ६

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईसांनी दुःख के शुरुआत

लेखक Edward Hughes
ब्याख्याकर Byron Unger; Lazarus

अनुवादक सुरेश मसीह
अनुकूलित M. Maillot; Tammy S.

कहानी 2 से 60

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा
जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा
यीशु के धरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के
पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक
गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ
बात कहीं : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी
खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउअ
ा हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि
हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह
सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह
रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !

सुरेश मसीह Bhojpuri

सॉप हेवा से पूछलस, "का ईश्वर कहले बाडन कि तु सब पेंड के फल मत खईहऽ" हेवा उत्तर दिहली, "एगो पेंड के फल छोड के हमनी के सब पेंड के फल खा सकतानी जा । यदि हमनी के ओह पेंड के फल खांई जा चाहे छुई जा, मर जाइब जा ।" सॉप आपन खीस निकालते हुए कहलस, "तु लोग मरब जा ना ।"
3
ष्तु लोग भी ईश्वर के सामान हो जइब लो ।ष् हेवा ओह पेड के पावल चाहत रहली । उ सॉप के बात सुनली आ ओह पेड के फल खा लिहली ।
4
ईश्वर के आज्ञा के अवहेलना कइला के बाद, हेवा आदम के भी उ फल खियावली । आदम के इ बात कह ल चाहत रहे चाहत रहे, "ना, हम ईश्वर के आज्ञा के उलंघन ना करब ।"
5
जब आदम आ हेवा पाप कइलन जा तब उ जानत रहलन जा की उ नंगे बाडन जा ं अंजीर पेंडके पता के सीलाई कर के आपना के ढकी लेले लोग आ ईश्वर के उपस्थिति से अलोता एगो झाडी मे छिप गइलन जां ।
6
शाम के वेला में ईश्वर वगिचा में अइलन । उ जानत रहलन कि आदम और हेवा का कइलन बाडन जा । आदम हेवा के दोषी ठहरवलन, हेवा सॉप के दोषी ठहरवली । ईश्वर कहलन, सॉप के हम श्राप दे देले बानी । जब औरत बच्चा के जन्म दिहन उनका ओह समय बहुत दर्द होई ।
7
"आदम, काहे कि तु पाप कइले बाड, ओह वजह से पृथ्वी कॉटा आ उँटकाटारा पैदा करी । तुं कठिन मेहनत करब आ आपन रोजी रोटी कमाये खातीर पसीना वहइब ।"
8
ईश्वर आदम आ हेवा के ओह सुन्दर वगिचा से बाहर कर दिहलन । काहे कि उनकन लोग पाप कइले रहलन जा, उ लोग जीवन देवे वाला ईश्वर से अलग कर दिहल गइलन जा !
9
उनकन लोग के बाहर करे खातीर ईश्वर आग जइसन धधके वाला तलवार बनइलन । आदम आ हेवा के पहिने खातीर चमडा के कोट बनवलन । उ चमडा कहाँ से आइल ?
10
समय के दौरान, इ परिवार एगो वच्चा के जन्म दिहलस । उनकर पहिला बच्चा काईन, किसान रहलन आ दूसरा हाबिल, चरवाहा रहलन । एक दिन काईन उपहार के रुप मे थोडा वहुत सब्जी ईश्वर के चढवले । हाबिल अपना भेंड मे से सबसे अच्छा मेमना चुन के उपहार के रुप में ईश्वर के चढवले । ईश्वर हाबिल के उपहार से बहुत खुश भईले ।
11
ईश्वर काईन के उपहार से खुश ना भईलन । काईन बहुत नाराज भईलन । बाकि ईश्वर कहलन, "का तुहो स्वीकार ना कईल जईब, जवन सही वा तवन करब त?"
12
काइन के नाराजगी ओरात ना रहे । कुछ समय के बाद, खेत में हाबिल पर आक्रमण कइलन आ उनका के मार दिहलन !
13
ईश्वर काइन से बोललन, "तोहार भाई हाबिल कहाँ वाडन" काईन झूठ बोललन, "हम नइखी जानत । हम अपना भाई कवनो रखवाला हंई ।" ईश्वर उनकर खेती करे के क्षमता उनका से छीन के आ उनका घुमन्तु बना के उनका दण्ड दिहलन ।
14
काईन ईश्वर के नजर से ओझल होगईले । आदम अउर हेवा के बेटी से काईन के विवाह भईल । उनकन लोग के माध्यम से परिवार बढल । कुछे समय में, काईन के द्वारा बनावल शहर उनकर नाती पोता बोग से भर गईल ।
15
एही बीच, आदम अउर हेवा के परिवार बडा तेजी से बढल । ओह समय के लोग, आज के लोग से अधिक समय तक जीवित रहत रहलन ।
16
जब ओहन लोग के बेटा सेथ के जनम भइल, हेवा कहलीन, "ईश्वर हाबिल के बदले सेथ के देले बाडन ।" सेथ ईश्वर भक्त रहलन जे ९१२ वर्ष तक जीवित रहलन आ उनकर खुब ढेर सारा बाल-बच्चा भइलन ।
17
संसार मे जइसे जईसे एक पीढी के दूसर पीढी आइल लोग बदमाश होत गइलन । अन्त में, ईश्वर मानव जाति के नष्ट करे के सोचलन आ ... सब चौपाया अउर चिडियॉ ।
18